

1) माना कि  $\sqrt{5}$  एक परिमेय संख्या है।

$\therefore \sqrt{5} = \frac{p}{q}$  [जहाँ  $p$  एवं  $q$  पूर्णिक हैं,  $q \neq 0$  और  $p$  तथा  $q$  का उभयनिष्ठ गुणनखंड केवल 1 होता है]

दोनों तरफ वर्ग करने पर

$$\Rightarrow (\sqrt{5})^2 = \left(\frac{p}{q}\right)^2$$

$$\Rightarrow 5 = \frac{p^2}{q^2}$$

$$\Rightarrow 5q^2 = p^2 \quad \text{--- (1)}$$

$\therefore p^2, 5$  से विभाज्य है।

$\therefore p$  भी 5 से विभाज्य होगा।

$\therefore 5, p$  का गुणनखंड है।

फिर,

माना कि  $p = 5K$   
समीक (1) से,

$$5q^2 = p^2$$

$$\Rightarrow 5q^2 = (5K)^2$$

$$\Rightarrow \cancel{5}q^2 = \cancel{5}5K^2$$

$$\Rightarrow q^2 = 5K^2$$

$\therefore q^2, 5$  से विभाज्य है।

$\therefore q$  भी 5 से विभाज्य होगा।

$\therefore 5, q$  का गुणनखंड है।

$\therefore p$  तथा  $q$  का उभयनिष्ठ गुणनखंड 5 है लेकिन कथन के अनुसार  $p$  तथा  $q$  का उभयनिष्ठ गुणनखंड केवल 1 होता है।

विरोधाभास से,

हमारा मानना गलत है।

अतः  $\sqrt{5}$  एक अपरिमेय संख्या है।

सिद्ध

2.) माना कि  $3+2\sqrt{5}$  एक परिमेय संख्या है।

$$\therefore 3+2\sqrt{5} = \frac{p}{q} \quad \left[ \text{जहाँ } p \text{ एवं } q \text{ पूर्णांक हैं, } q \neq 0 \right]$$

$$\Rightarrow 2\sqrt{5} = \frac{p}{q} - 3$$

$$\Rightarrow 2\sqrt{5} = \frac{p-3q}{q}$$

$$\Rightarrow \sqrt{5} = \frac{p-3q}{2q}$$

$\therefore p$  एवं  $q$  पूर्णांक हैं।

$\therefore p, -3q$  एवं  $2q$  भी पूर्णांक हैं।

$\therefore \frac{p-3q}{2q}$  एक परिमेय संख्या है लेकिन  $\sqrt{5}$  एक अपरिमेय संख्या है।

अतः अपरिमेय संख्या = परिमेय संख्या जो सत्य नहीं है।

विरोधाभास है,

हमारा मानना गलत है।

$\therefore 3+2\sqrt{5}$  एक अपरिमेय संख्या है।

सिद्ध



3) ① माना कि  $\frac{1}{\sqrt{2}}$  एक परिमेय संख्या है।

(22)

$$\therefore \frac{1}{\sqrt{2}} = \frac{p}{q} \quad [\text{जहाँ } p \text{ एवं } q \text{ पूर्णांक हैं, } q \neq 0]$$

$$\Rightarrow \sqrt{2}p = q$$

$$\Rightarrow \sqrt{2} = \frac{q}{p}$$

$\therefore p$  एवं  $q$  पूर्णांक हैं।

$\therefore \frac{q}{p}$  एक परिमेय संख्या है लेकिन  $\sqrt{2}$  एक अपरिमेय संख्या है।

अतः अपरिमेय संख्या = परिमेय संख्या जो कि असत्य है  
विरोधाभास से,

हमारा मानना गलत है।

$\therefore \frac{1}{\sqrt{2}}$  एक अपरिमेय संख्या है।

सिद्ध

② माना कि  $\sqrt{5}$  एक परिमेय संख्या है।

$$\therefore \sqrt{5} = \frac{p}{q} \quad [\text{जहाँ } p \text{ एवं } q \text{ पूर्णांक हैं, } q \neq 0]$$

$$\Rightarrow \sqrt{5} = \frac{p}{q}$$

$\therefore p$  एवं  $q$  पूर्णांक हैं।

$\therefore p$  एवं  $q$  पूर्णांक हैं।

$\therefore \frac{p}{q}$  एक परिमेय संख्या है लेकिन  $\sqrt{5}$  एक अपरिमेय संख्या है।

अतः अपरिमेय संख्या = परिमेय संख्या जो कि असत्य है  
विरोधाभास से,

हमारा मानना गलत है।

$\therefore \sqrt{5}$  एक अपरिमेय संख्या है। सिद्ध

(ii) माना कि  $6 - \sqrt{2}$  एक परिमेय संख्या है।

$$\therefore 6 - \sqrt{2} = \frac{p}{q} \quad [p \text{ वहाँ } p \text{ एवं } q \text{ पूर्णांक हैं, } q \neq 0]$$

$$\Rightarrow 6 - \frac{p}{q} = \sqrt{2}$$

$$\Rightarrow \frac{6q - p}{q} = \sqrt{2}$$

$\therefore p$  एवं  $q$  पूर्णांक हैं।

$\therefore 6q, p$  एवं  $q$  भी पूर्णांक हैं।

$\therefore \frac{6q - p}{q}$  एक परिमेय संख्या है लेकिन  $\sqrt{2}$  एक अपरिमेय संख्या है।

विरोधाभास से,

हमारा मानना  $\frac{1}{2}$  गलत है।

$\therefore 6 - \sqrt{2}$  एक अपरिमेय संख्या है।

सिद्ध